

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com



उदयपुर

Rashtradoot

फोन:- 2418945 फैक्स:- 0294-2410146 वर्ष: 32 संख्या: 205 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 29 मई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने बड़े जोश से 2025 को पार्टी का “ऑर्गनाइज़ेशन इयर” घोषित किया था

... पर छः माह बीत गए हैं, लगभग सभी राज्यों में पार्टी संगठन लगभग नदारद हैं

-रेणु मि्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नईदिल्ली, 28 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़े जोर-शोर से 2025 को पार्टी में “संगठन का वर्ष” घोषित किया था। लेकिन आधा साल बीत चुका है और संगठनात्मक गतिविधियों में न तो कोई विशेष हलचल दिखती है, न ही कोई ठोस प्रगति।
राज्य-दर- राज्य कांग्रेस का संगठन निष्क्रिय अवस्था में बना हुआ है। इस स्थिति के लिए कई बरिष्ठ नेता पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वेणुगोपाल उड़ाईसीसी महासचिव एव संगठन-प्रभारी हैं, लेकिन ज़मीन पर संगठन को मज़बूत करने के बजाय उनका पूरा ध्यान गांधी परिवार, खासतौर पर राहुल गांधी के साथ यात्रा करने पर रहता है और जहां भी राहुल जाते हैं, वे उनके साथ होते हैं।
वेणुगोपाल ने खुद को राहुल गांधी का मुख्य सहायक बना लिया है। क्या यह कोई असुरक्षा की भावना है, जो उन्हें राहुल गांधी के इर्द-गिर्द बने

- कहने को के.सी. वेणुगोपाल कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन मंत्री हैं, पर, वे पूरा समय राहुल गांधी के पीछे रहते हैं। जहाँ राहुल जाते हैं, वहाँ के.सी. वेणुगोपाल भी होते हैं। असल में वेणुगोपाल चाहते हैं कि राहुल गांधी पर उनका पूर्ण नियंत्रण रहे, राहुल गांधी उन्हीं की बांठ सुर्नें।
- मल्लिकार्जुन खड़गे कई बार रिक्त पद भरने का प्रयास कर चुके हैं, पर, खड़गे की लिस्ट को वेणुगोपाल हमेशा ठुकरा देते हैं।
- पार्टी संगठन की दुर्दशा पर किसी का ध्यान नहीं है, इस समय वेणुगोपाल व उनके समर्थकों का सारा फोकस शशि थरूर को पार्टी से निकलवाने पर है और इसके लिए रोज़ नई-नई कहानियां गढ़ी जा रही हैं।
- वेणुगोपाल केरल का मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा पाले हुए हैं और उन्हें इसमें शशि थरूर ही बाधा नज़र आते हैं, इसलिए वे थरूर को रास्ते से हटाने में जुटे हैं और इस काम में उन्हें जयराम रमेश जैसे उन नेताओं की सहायता मिल रही है, जिनकी कुर्सी खतरे में है।

साथ यात्रा करते रहते हैं, जबकि यह न तो उनके पद की भूमिका है, न ही उनकी जिम्मेदारी।
इस रवैये का नतीजा यह हुआ है कि पार्टी का संगठन बुरी तरह उपेक्षित हो चुका है। एक के बाद एक राज्य में संगठनात्मक इकाइयों निष्क्रिय होती जा रही हैं।
मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यों में खाली पड़े पदों को भरने की कई बार कोशिश की, लेकिन वेणुगोपाल ने इन प्रयासों को बार-बार विफल कर दिया। यहां तक कि वे खड़गे द्वारा तैयार की गई सूची तक को खारिज कर देते हैं।
दिलचस्प बात यह है कि वेणुगोपाल का अधिकतर ध्यान केरल पर केंद्रित है, जहां वे खुद को मुख्यमंत्री पद का दावेदार मानते हैं और वहाँ के अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को खत्म करने में लगे हैं।
उनका मुख्य निशाना शशि थरूर है। बताया जा रहा है कि वेणुगोपाल, जयराम रमेश और अन्य लोगों की मदद से, थरूर के खिलाफ मीडिया में नकारात्मक खबरें गढ़ रहे हैं, जबकि थरूर को दुनिया भर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस के.आर. श्रीराम होंगे राजस्थान हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस

मौजूदा चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव को मद्रास हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की सिफारिश की गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 28 मई। एक अन्य बड़े फेर-बंद के अन्तर्गत, सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने राजस्थान, त्रिपुरा, झारखंड तथा मद्रास उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के तबादलों की सिफारिश की है। यह निर्णय 26 मई को मुख्य न्यायाधीश बी आर आई गवई की अध्यक्षता में हुई कोलीजियम की मीटिंग में लिया गया।
कोलीजियम ने सुझाव दिया है कि राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव का तबादला मद्रास उच्च न्यायालय में और मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के.आर. श्रीराम का तबादला राजस्थान हाईकोर्ट में कर दिया जाए साथ ही त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अपरेश कुमार सिंह का तबादला तेलंगाना उच्च न्यायालय में तथा जस्टिस एम.एस. रामचन्द्र राव का तबादला झारखण्ड से त्रिपुरा उच्च

सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. महमूदाबाद की अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाई

नयी दिल्ली, 28 मई। शीर्ष अदालत ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को 21 मई को दी गई अंतरिम जमानत की अवधि बढ़ाने का निर्देश दिया और कहा कि वह इस मामले में जुलाई में सुनवाई करेगी। इसके साथ ही एसआईटी को हरियाणा में दर्ज दो

- सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को हिदायत दी कि हरियाणा में दर्ज दो मुकदमों के तथ्यों तक ही जांच को सीमित रखा जाए।

मुकदमों के तथ्यों की जांच तक सीमित रहने का निर्देश दिया।
न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की अंशकालिक कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के कपिल सिब्बल की इस आशंका पर कि जांच का दायरा बढ़ाया (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रहने के लिए प्रेरित करती है? कहना मुश्किल है।

वे ऐसे एकमात्र संगठन-प्रभारी महासचिव हैं, जो हमेशा गांधी परिवार के

जयपुर में आज कोरोना के 5 नये केस आये

जयपुर, 28 मई । राजस्थान में कोरोना वायरस एक बार फिर से दस्तक देता नज़र आ रहा है। बुधवार को प्रदेश भर से कोविड के 7 नए मामले सामने आए, जिनमें से सर्वाधिक 5 केस जयपुर से रिपोर्ट हुए हैं। अन्य दो मामले जोधपुर से मिले हैं।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को संक्रमितों में 16 वर्षीय बालक बालोतरा से, बीकानेर से 31 वर्षीय महिला और दौसा से एक 5 वर्षीय बच्चा है। शेष चार

- आज रिपोर्ट हुए संक्रमितों में दौसा का एक 5 वर्षीय बच्चा भी है।

मरीजों में से 51 वर्षीय, 38 वर्षीय और 40 वर्षीय पुरुष तथा 24 वर्षीय महिला जयपुर से संक्रमित पाए गए। ये केस राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठित अस्पतालों, एम्स जोधपुर (2), एसएमएस जयपुर (2), आरयूएचएस (1), जयपुरिया (1) और एक विश्वसनीय स्रोत से रिपोर्ट हुए हैं।

राज्य में वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक कुल 39 कोरोना संक्रमित (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डूंगरपुर में लैपर्ड ने 4 युवकों पर हमला किया

डूंगरपुर, 28 मई (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र के वलोता फला लिमडी गांव में झाड़ियों में छिपकर बैठे लैपर्ड ने चार युवकों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। युवकों के चिल्लाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जब मौके पर पहुंचे तो लैपर्ड भाग गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, वलोता फला लिमडी गांव निवासी मुकेश पुत्र मोगजी रोट, हाजा पुत्र कन्हैयालाल, लक्ष्मण पुत्र जीवा और शंकर पुत्र लक्ष्मण लाल चारों युवक लक्ष्मण की बहन रानी, पुत्री जीवा रोट की सगाई में गए थे। चारों युवक रीना की ससुराल से पैदल घर लौट रहे थे।

- युवकों के चिल्लाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण आ गये और लैपर्ड भाग गया।

रास्ते में वलोता डैम के पास झाड़ियों में छिपकर बैठे लैपर्ड ने मुकेश पर हमला कर दिया। उसे बचाने आए अन्य युवकों पर भी लैपर्ड ने हमला कर उन्हें घायल गंभीर रूप से कर दिया। युवकों के चिल्लाने का शोर सुनकर आस पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद लैपर्ड भाग गया। सूचना मिलने पर, वरदा पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची तथा चारों घायल युवकों को 108 एम्बुलेंस की मदद से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। लैपर्ड के मुव्मत के लेकर वन विभाग को सूचना दी गई है, जिस पर वन विभाग लैपर्ड मुव्मत को ट्रैक कर रैस्क्यू करने में जुटा है।

बीकानेर की एक रेली में उन्होंने

अल्पसंख्यकों और राष्ट्रवादी समूहों, दोनों को साधने में जुटी हैं ममता बनर्जी

प.बंगाल की मु.मंत्री, देश के साथ-साथ राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रासंगिकता बनाए रखना चाहती हैं

- ममता के भतीजे अभिषेक, जो संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान गए हैं, ने पाकिस्तान को “पागल कुत्ते का हँडलर” करार दिया। उनकी इस टिप्पणी को ममता बनर्जी की राष्ट्रवादियों का समर्थन जुटाने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है।
- अभिषेक बनर्जी की इस टिप्पणी से राष्ट्रवादी सोच वाले लोग तो खुश हैं पर संभावना है कि बंगाल का अल्पसंख्यक वोट बैंक इससे नाखुश हो सकता है।
- बंगाल के राष्ट्रवादी तबके को खुश करने के लिए अभिषेक बनर्जी ने जापान में रासबिहारी बोस का भी जिक्र किया और वे उनके स्मारक पर भी गए।

कुत्ता” कहना बंगाल की मुस्लिम आबादी के बीच खतरा पैदा कर सकता है। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की साजिशों और आतंकी हमलों के बावजूद, बंगाल का मुस्लिम समुदाय किसी भी टकराव की स्थिति में पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखता है।

मुस्लिम बिरादरी किन्हीं भी राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं मानती है। यहाँ तक कि जब भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच होता है, तब भी बड़ी संख्या में मुसलमान पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। ऐसे में अभिषेक बनर्जी के बयान, राष्ट्रीय या

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भले ही उन्हें प्रशंसा दिलाएं, परंतु, राज्य में अल्पसंख्यकों के बीच इसका विपरीत प्रभाव हो सकता है।
ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बनी संयुक्त संसदीय टीम में बनर्जी की भूमिका भी कुछ हद तक जटिल रही। सरकार की ओर से टीम के लिए पहले सुझाए गए नाम को तृणमूल कांग्रेस ने खारिज कर दिया। पार्टी ने वरिष्ठ सांसद सुदीप बंधोपाध्याय को टीम के साथ जापान यात्रा पर जाने से रोक दिया और कहा कि पार्टी खुद तय करेगी कि कौन जाएगा।

बाद में पार्टी ने यूसुफ पठान के नाम को भी अस्वीकार कर दिया, जिससे उन्हें टीम से हटना पड़ा। इसके बाद ही, पार्टी ने अभिषेक बनर्जी को शशि थरुर के नेतृत्व वाली संयुक्त संसदीय टीम में बतौर प्रतिनिधि भेजा, जो कि ममता बनर्जी के भतीजे भी है।
जापान में, पाकिस्तान के खिलाफ (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में बारिश

नयी दिल्ली, 28 मई। देश के 17 राज्यों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। बुधवार को मानसून समय से 12 दिन पहले छत्तीसगढ़ और 13 दिन पहले ओडिशा पहुंचा। दोनों राज्यों के कुछ जिलों में तेज बारिश हुई।

महाराष्ट्र के मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ में आज भारी बारिश हो रही है। यहां बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बदलापुर, उल्हासनगर,

- राजस्थान के अन्य भागों में लू और आंधी का प्रकोप देखा जा रहा है।

कल्याण, डोंबिवली और ठाणे के अलग-अलग इलाकों में जलभराव हो गया है।

राजस्थान में मौसम तीन रूप देखने को मिल रहे हैं। बूंदी जिले में तेज गर्मी पड़ रही है। यहां के गांव में एक बुढ़ा महिला की मौत हुई। जांच में हीटवेव से मौत की बात सामने आई। उदयपुर, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK



CMYK

विचार बिन्दु

फल की इच्छा छोड़कर निरंतर कतव्य करो। जो फल की अभिलाषा छोड़कर कतव्य करते हैं, उन्हें अवश्य मोक्ष प्राप्त होता है। –गीता

मोदी ने अपने कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे किए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यकाल के ग्यारह वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवधि में मोदी सरकार ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए जिनकी देश और दुनिया में काफी चर्चा हुई। मोदी ने 26 मई 2014 को भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और वे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री हैं जिनका जन्म आजादी के बाद हुआ है। ग्यारह साल बाद भी मोदी की लोकप्रियता लगातार बनी हुई है। मोदी ने देश के सबसे लंबे समय तक लगातार शासन करने वाले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री होने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक 25 साल का बेमिसाल सफर पूरा करने वाली यह शख्सियत नरेन्द्र दामोदर दास मोदी आज ग्लोबल लीडर के रूप में अपनी पहचान कायम करने में सफल हुए हैं। मोदी में गजब का आत्मविश्वास है। प्रखर और कुशल वक्ता के रूप में उनकी राष्ट्रीय पहचान है।

मोदी की कार्यशैली, सोच, साहस, हौसला, कार्य निष्ठा, देश के प्रति समर्पण, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, नेतुत्व और कुछ कर गुजरने की ललक ने उनकी लोकप्रियता को देश ही नहीं अपितु दुनिया में भी बढ़ाने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोदी की इन 11 सालों की उपलब्धियां बेमिसाल रही है। इन 11 सालों में मोदी सरकार ने अनेक क्षेत्रों में सफलता के परचम फहराए इसमें कोई दो राय नहीं है। मोदी सरकार के कार्यकाल में विपरीत स्थितियों के बावजूद भारत ने विश्व आर्थिक क्रांति का उद्घोष कर विकास के प्रेरक के रूप में अपना स्थान सुरक्षित किया है। इस अवधि में देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सबसे अधिक सार्वजनिक निवेश हुआ है। परिणाम स्वरुप अनेक क्षेत्रों में आशातीत प्रगति कर भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है। मोदी ने कश्मीर में एक ध्वज, एक निशान और एक संविधान का जनसंघ के पितृ पुरुष का सपना साकार किया। मोदी ने अनेक ऐतिहासिक कार्यों को अंजाम देकर ‘मोदी है तो मुमकिन है’ की अपनी छवि बनाई।

मोदी संघ के एक विनम्र स्वयं सेवक की तरह देश की नब्ज को पहचानने में सफल हुए। इस अवधि में मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि ये रही कि सरकार के किसी मंत्री पर कोई भी भ्रष्टाचार या घोटाले का आरोप नहीं लगा।

मोदी में गजब का आत्मविश्वास है। प्रखर और कुशल वक्ता के रूप में उनकी राष्ट्रीय पहचान है। मोदी की कार्यशैली, सोच, साहस, हौसला, कार्य निष्ठा, देश के प्रति समर्पण, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व और कुछ कर गुजरने की ललक ने उनकी लोकप्रियता को देश ही नहीं अपितु दुनिया में भी बढ़ाने का काम किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मोदी की इन 11 सालों की उपलब्धियां बेमिसाल रही हैं।

मिशन, जीएसटी, आयुष्मान भारत योजना, डिजिटल इंडिया, इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान, आत्मनिर्भर भारत अभियान, अनुच्छेद 370 हटाना, राम मंदिर निर्माण, नारी शक्ति और कानून, तीन तलाक कानून, रक्षा और सुरक्षा, शिक्षा और कौशल विकास,महिलाओं के लिए सैन्य सेवा में प्रवेश और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सहित 80 करोड़ गरीबों को रोजी-रोटी की सुविधा उपलब्ध कराकर मोदी सरकार की ग्यारह सालों की प्रमुख उपलब्धियां है। हाल ही ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से पाकिस्तान में चल रहे आतंकी अड्डों को ध्वस्त करने में सफलता हासिल की। इस अवधि में बढ़ती कीमतों (खासतौर पर पेट्रोल-डीजल), किसानों के आंदोलन, बेरोजगारी, नोटबंदी, जीएसटी आदि की नाराजगी के बावजूद लोगों पर अभी भी मोदी का जादू बरकरार है।

मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल दौरान उनके विरोधियों में उनके प्रति बेहद नाराजगी का भाव है। इसके बावजूद लोगों का मानना है भ्रष्टाचार को काबू करने का मोदी ने ईमानदारी से प्रयास किया है जिसकी वजह से सरकारी मदद का लाभ जरूरतमंद गरीबों और असहाय लोगों तक पहुंचा है। इन 11 सालों में मोदी सरकार ने अनेक क्षेत्रों में सफलता के परचम फहराए इसमें कोई दो राय नहीं है। इस अवधि में मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि ये रही कि ध्वस्त करने में सफलता हासिल की। इस अवधि में बढ़ती कीमतों (खासतौर पर पेट्रोल-डीजल), किसानों के आंदोलन, बेरोजगारी, नोटबंदी, जीएसटी आदि की नाराजगी के बावजूद लोगों पर अभी भी मोदी का जादू बरकरार है।

–अतिथि सम्पादक, बाल मुकुन्द ओझा, वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार



पंडित अनिल शर्मा

राशिफल गुरुवार 29 मई, 2025

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 10:39 तक, शूल योगदिन 3:47 तक, तैत्तिल करण दिन 12:26 तक, चन्द्रमा आय मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरु-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज सर्वार्थ सिद्धि योग, रवियोग रात्रि 10:39 से आरम्भ होगा। आज महाराणा प्रताप जयन्ती है। आज जिलाहज मु.मास 12 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:19 तक, चर 10:42 से 12:24 तक, लाभ अमृत 12:24 से 3:47 तक, शुभ 5:29 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:10

	मेघ परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद हो सकते हैं।
	सिंह आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। पारिवारिक यात्रा संभव है।
	धनु परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग सम्न्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

	वृष व्यावसायिक आर्थिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।
	कन्या व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।
	मकर व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता केलिएदिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

	मिथुन व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।
	तुला नवीन कार्यों के संबंध में सकायात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी।
	कुंभ व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटक हुए कार्य बनने लगेगे। नौकरपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

	कर्क घर-गृहस्थी के खर्चों में कटौती रहेगी। शुभ कार्यों में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।
	वृश्चिक चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।
	मीन घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

महाराणा प्रतापः स्वधर्म एवं स्वदेश के लिए आजीवन संघर्षरत सेनानी



राजेश्वर सिंह

भारतीय संस्कृति व परम्परा में धर्म को मनुष्य के सहज कर्तव्य के रूप में परिभाषित किया गया है और धैर्य, क्षमा, संयम, अस्तेय, स्वच्छता, इन्द्रिय संयम, बुद्धि, विद्या, सत्य और अक्रोध इसके दस लक्षण बताये गये हैं। भारत में सभ्यता के आदिकाल से ही मनुष्य का व्यक्तितगत व सामाजिक जीवन उपर्युक्त महान मानवीय मूल्यों पर आधारित दस लक्षण धर्म के मूलाधार पर प्रतिष्ठित था। भारतीय भूभाग के विपुल विस्तार व आवागमन के त्वरित साधनों के अभाव की वजह से यह एकान्त सांस्कृतिक क्षेत्र विभिन्न राज्यों अथवा राजनीतिक इकाइयों में विभक्त था किन्तु वहाँ भी वैश्वगत जीवन, सामाजिक व्यवस्था व राज व्यवस्था का आधार दस लक्षण धर्म ही था।

विदेशी आक्रान्ताओं के भारत पर आक्रमण का मूल उद्देश्य न केवल इस विस्तृत भूभाग की विपुल धन सम्पदा

का दोहन था वरन् अपना राज्य स्थापित कर यहां के धर्म, संस्कृति, परम्परा व आधारभूत जीवन मूल्यों को ध्वस्त कर जनसामान्य में दास मनोवृत्ति को अधिरोपित करना था ताकि उनका आधिपत्य निष्कटक हो सके। आक्रान्ता व उनके वंशज इस उद्देश्य की प्राप्ति में आंशिक रूप से सफल अवश्य हुए क्योंकि भारतीय समाज में गुण –कर्म आधारित गतिशील वर्ण व्यवस्था कालक्रम में वंशानुगत अपरिवर्तनीय जाति व्यवस्था में तब्दील हो चुकी थी और अस्पृश्यता तथा जातिगत भेदभाव यहाँ की सामाजिक व्यवस्था का अंग बन चुका था, जिससे पंडित एक छोटे से वर्ग ने लाभ, लोभ या आतंक की वजह से धर्म परिवर्तन अवशय किया किन्तु व्यापक जन समुदाय की धर्मनिष्ठा अटूट और अपरिवर्तनीय ही रही। इसके महेश्वर विदेशी मूल के शासक ने अपनी रणनीति में बदलाव किया व स्थानीय शासकों के साथ सहअस्तित्व, सहयोग व समायोजन की नीति का अवलम्बन किया। यह नीति ऊपर से तो अत्यन्त सहिष्णु, समावेशी व उदारवादी प्रतीत होती थी किन्तु अन्दर से आक्रांताओं के मूलभूत उद्देश्य अपरिवर्तनीय ही रहे।

राजपुताना के राज्यों में केवल मेवाड़ ही एकमात्र ऐसा राज्य था जिसने मुगल साम्राज्य का अंग बनने से स्पष्ट रूप से इंकार किया जिसका खामियाजा वहाँ के शासकों व जन साधारण को भुगतान पड़ा। 1567 ई. में अकबर ने जब चित्तौड़ पर चढाई की ,उस समय

अपने सरदारों एवं सेनानायकों की सलाह पर महाराणा उदय सिंह ने चित्तौड़ का गढ छोड़ दिया। 23 फरवरी 1568 ई. की रात्रि में चित्तौड़ का अन्तिम जोहर हुआ तथा दूसरे दिन दुर्गद्वार खोलकर योद्धाओं ने साका किया। इसके साथ ही अकबर का चित्तौड़ पर अधिकार हो गया। कुछ समय तक दुर्गम पहाड़ों एवं कुम्भलमेर में रहेगे राजा व सैनिकों को रातभूमि छोड़नी पड़ी। यद्यपि विजय मुगल सेना की हुई किन्तु वे प्रताप को पकड़ने अथवा उनका मनोबल तोड़ने में असमर्थ रहे। इसके बाद अक्टूबर, 1572 को उन का देहान्त हुआ। अपनी मृत्यु के कुछ दिवस पूर्व ही महाराणा उदय सिंह ने राजगढ़ी पर प्रताप के औचित्पूर्ण दावे की उपेक्षा कर अपने कनिष्ठ पुत्र जगमाल को युवराज व राज्य का भावी उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था किन्तु मेवाड़ के सरदारों के प्रभावी हस्तक्षेप के कारण 28 फरवरी, 1572 को ही प्रताप का मेवाड़ की राजगढ़ी पर राज्याभिषेक सम्पन्न हुआ। यह घटनाक्रम स्पष्ट रूप से इस तथ्य का द्योतक है कि राजा में देवत्व के निहित होने की अवधारणा के बावजूद सामन्तों में सत्य, न्याय और औचित्य के प्रति निष्ठा थी व गलत राजाज्ञा को अस्वीकार करने का साहस भी था।

प्रताप की गद्दीनशीनी के एक वर्ष पश्चात अप्रैल, 1573 में आमेर के कुंवर मान सिंह कच्छवाह, सितम्बर, 1573 में आमेर के राजा भगवंतदास तथा दिसम्बर, 1573 में राजा टोडरमल अकबर के दूत के रूप में प्रताप से मिले व उन्हें मुगल सम्राट की अधीनता स्वीकार करने हेतु सहमत करने का

प्रयास किया किन्तु यह प्रयास निष्फल ही रहा। अन्ततः 18 जून, 1576 को प्रताप व मुगल सेनाओं के बीच हल्दी घाटी का सुप्रसिद्ध युद्ध हुआ जिससे मेवाड़ के प्रमुख योद्धा रामदास मेड़तिरा, रामशाह तंवर, झाला बीदा, झाला मानसिंह, रावत नैतसी इत्यादि वीरता पूर्वक लड़ते हुए काम आए और प्रताप तथा उनके बचे हुए सैनिकों को रातभूमि छोड़नी पड़ी। यद्यपि विजय मुगल सेना की हुई किन्तु वे प्रताप को पकड़ने अथवा उनका मनोबल तोड़ने में असमर्थ रहे। इसके बाद अक्टूबर, 1576 में अकबर ने स्वयम् तथा अक्टूबर, 1577, दिसंबर, 1578 तथा नवंबर 1579 में मुगल सेनापति शहबाज खां ने लगातार मेवाड़ पर आक्रमण किए किन्तु प्रताप को गिरफ्तार करने अथवा मेवाड़ पर पूर्ण अधिकार करने में पूर्णतया विफल रहे।

अक्टूबर, 1582 में विजयादशमी के दिन प्रताप ने कुंभलमेर से 40 किमी उत्तरपूर्व में दिवरे गांव के शाही धाने पर आक्रमण किया। मुगल सेना का नेतृत्व सुल्तान खां के हाथ में था। इस युद्ध में प्रताप की विजय हुई और राजपूत सेना ने मुगलों को अजमेर तक खदेड़ा। दिवरे के युद्ध ने मुगलों के मनोबल को बुरी तरह तोड़ दिया। इसके उपरान्त प्रताप ने गोवन्दा, कुम्भलगढ़, बसौली, चावण्ड, गोरगु, मरारिया तथा माण्डलगढ़ जैसे महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया।

19 जनवरी, 1597 को अपनी मृत्यु से पूर्व प्रताप ने चित्तौड़गढ़ को छोड़कर मेवाड़ के लगभग सम्पूर्ण असमानता भी बनी हुई है। ग्लोबल फ़िन्डेक्स 2021 के अनुसार, पुरुषों की तुलना में महिलाओं के पास बैंक खाता होने की संभावना 10% कम है। साइबर सुरक्षा एक उभरती चुनौती है। 2023 में डिजिटल धोखाधड़ी से 1.2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ महंगाई भी निम्न और मध्यम आय वर्ग को प्रभावित कर रही है, क्योंकि खाद्य पदार्थों की कीमतों में दोहरे अंकों की वृद्धि ने महंगाई को 4% के लक्ष्य से ऊपर धाक है।

पर्यावरणीय चुनौतियाँ भी भारत की प्रगति को बाधित करती हैं। टिकाऊ विकास लक्ष्यों में भारत 166 देशों में 112वें स्थान पर है। वैश्विक निर्भरता, खास तौर पर चीन से आयात और अमेरिका की विदेश नीति पर निर्भरता, भारत की अर्थिक स्वायत्तता को कमजोर करती हैं। अन्य देशों के साथ तुलना भारत की स्थिति को और स्पष्ट करती है। अमेरिका, 30.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ, विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसकी प्रति व्यक्ति आय भारत से 30 गुना अधिक है, और 95% वयस्कों के पास बैंक खाता है।

अमेरिका की अर्थव्यवस्था सेवा, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी पर आधारित है, जबकि भारत कृषि और सेवा क्षेत्र पर निर्भर है। चीन, 19.5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ, दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अलीपे और वीचेप्ट पे ने चीन में 90% वयस्कों को डिजिटल भुगतान से जोड़ा, लेकिन इसका केंद्रीकृत नियंत्रण भारत के लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से अलग है।

जापान और जर्मनी, क्रमशः 4.4 और 4.9 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ, भारत के निकटतम प्रतिस्पर्धी हैं। इनकी प्रति व्यक्ति आय 34,000 और 51,432 डॉलर है। केन्या जैसे विकासशील देश ने एम-पेसा के जरिए वित्तीय समावेशन में भारत से बेहतर प्रदर्शन किया, जहां 83% वयस्कों के पास मोबाइल मनी खाता है। भारत की विशाल जनसंख्या और भौगोलिक विविधता इसे अलग बनाती है, लेकिन बुनियादी ढांचे और साक्षरता में कमी इसे पीछे रखती है। यद्यपि भविष्य की संभावनाएं भारत के लिए आशाजनक हैं। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के

एक-एक प्रतिनिधि की संयुक्त समिति गठित कर साइट का दौरा कर छह सप्ताह के भीतर तथ्यात्मक और कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। एनजीटी ने मामले में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रमुख पक्षकार मानते हुए प्रतिवादी संख्या 6 के रूप में तत्काल जोड़ने के भी निर्देश दिए। मामले में अगली सुनवाई 26 अगस्त 2025 को होगी। उल्लेखनीय है कि जाजू ने प्राचीन चिड़ियाघर का अवलोकन कर पुराने विशालताम्र पेड़ों एवं विलुप्त होते पक्षियों की प्रजातियों के संरक्षण के लिए एनजीटी की शरण ली थी।

भारत विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था : उपलब्धि तो है, लेकिन सफर लम्बा है



राजेन्द्र मोहन शर्मा

भारत की अर्थव्यवस्था ने हाल के वर्षों में वैश्विक मंच पर उल्लेखनीय प्रगति की है। 2025 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुकी है, जिसके साथ यह विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है। इस आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वित्तीय समावेशन रहा है, जिसने समाज के हर वर्ग, खास तौर पर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग को बैंकिंग, ऋण और डिजिटल भुगतान जैसी सेवाओं से जोड़ा है। हालांकि, भारत की यह चमकती आर्थिक तस्वीर पूरी तरह सच नहीं है। आंकड़ों की बाजीगरी, संचनान्दक कमियाँ और सामाजिक चुनौतियाँ इस कहानी को “आधी हकीकत, आधे फसाने” के रूप में देखती हैं।

भारत की आर्थिक प्रगति का आधार 1991 के उदारीकरण सुधारों में निहित है, जिसने वैश्विक व्यापार के दरवाजे खोले। 2015 में भारत की जीडीपी 2.1 ट्रिलियन डॉलर थी, जो 2025 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई, यानी 105% की वृद्धि। यह वैश्विक औसत 3.9% से कहीं अधिक है। 2022 में भारत ने यूनाइटेड किंगडम को पछाड़कर पांचवां स्थान हासिल किया और अब जापान को पीछे छोड़ कर अग्रसर है। निर्यात क्षेत्र में भी भारत ने मजबूत प्रदर्शन किया। 2021-22 में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 650 बिलियन डॉलर को पार कर गया, और 2023-24 में इसके 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और व्यावसायिक सेवाओं में भारत की वैश्विक पहचान

बनी है। मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने विनिर्माण और नविकार को बढ़ावा दिया, जिसके परिणामस्वरूप दर्जनों यूनिकॉर्न कंपनियाँ उभरीं।

चंद्रमा-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग ने भारत की तकनीकी क्षमता को और मजबूत किया। लेकिन इस आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण पहलू वित्तीय समावेशन है, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को औद्योगिक और समावेशी बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। वित्तीय समावेशन का सफर 2005-06 में शुरू हुआ, जब रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इसे राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। 2014 में शुरू हुई प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाय) ने इस दिशा में क्रांति ला दी। 2025 तक, 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए, जिनमें 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक जमा हुए। आधार प्रणाली ने 1.3 अरब से अधिक लोगों को डिजिटल पहचान दी, जिससे बैंक खाता खोलना और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना आसान हुआ। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने डिजिटल भुगतान को आम जन तक पहुंचाया।

2024 में यूपीआई ने 150 बिलियन से अधिक लेनदेन दर्ज किए, जिनका मूल्य 200 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। यह भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती डिजिटल भुगतान अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाता है। मुद्रा योजना ने छोटे और मझोले उद्यमों को 20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऋण दिए, जिसने सूक्ष्म उद्यमिता को बढ़ावा दिया। प्रधानमंत्री जन धन योजना ने लाखों लोगों को सस्ती बीमा योजनाओं से जोड़ा। निर्यात बैंक की 2021 की ग्लोबल फ़िन्डेक्स रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 78% वयस्कों के पास बैंक खाता था, जो 2011 में 35% से कहीं अधिक है। ये उपलब्धियाँ भारत की अर्थव्यवस्था को विकसित बनाने और गरीबी उन्मूलन में योगदान दे रही हैं। हालांकि, आर्थिक प्रगति और वित्तीय समावेशन के दावों में आंकड़ों की बाजीगरी स्पष्ट दिखती है।

भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में प्रचारित किया

जाता है, लेकिन यह क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर है। पीपीपी में भारत 2011 में ही तीसरा स्थान हासिल कर चुका था, लेकिन जीडीपी, जो वास्तविक आर्थिक शक्ति को मापती है, में भारत अभी चौथे या पांचवें स्थान पर है। यह अंतर आम जनता के लिए भ्रामक हो सकता है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत की स्थिति और कमजोर है। 2023 में भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,610 डॉलर थी, जो विश्व में 136वें स्थान पर है, जबकि अमेरिका की प्रति व्यक्ति आय 80,000 डॉलर से अधिक है। वित्तीय समावेशन में भी आंकड़े पूरी तस्वीर नहीं दिखाते। जन धन खातों की संख्या प्रभावशाली है, लेकिन 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 20% खाते निष्क्रिय हैं। कई खाते केवल सरकारी सवि्धों के लिए खोले गए, जिससे वास्तविक वित्तीय भागीदारी कम रही। बेरोजगारी की आंकड़े भी चिंता बढ़ाते हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, 2022 में पढ़े-लिखे युवाओं में बेरोजगारी 65.7% थी, जो 2000 में 54.2% थी। सवि्धों का बोझ भी एक समस्या है। 2013-14 में ईंधन और ऊर्ध्वक सवि्धों पर 2,47,596 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो राजकोषीय घाटे को बढ़ाता है।

भारत की आर्थिक और वित्तीय प्रगति के सामने कई चुनौतियाँ हैं। आय असमानता एक बड़ी समस्या है। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषण के अनुसार, लगभग ब्रॉडस की बिक्री सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं से तेजी से बढ़ रही है, जो अमीर और गरीब के बीच खाई को दर्शाता है। वित्तीय साक्षरता की कमी भी वित्तीय समावेशन को सीमित करती है। केवल 27% वयस्कों को वित्तीय प्रबंधन की बुनियादी समझ है, जिसके कारण लोग वित्तीय समावेशन में भारत से बेहतर प्रदर्शन किया, जहां 83% वयस्कों के पास मोबाइल मनी खाता है। भारत की विशाल जनसंख्या और भौगोलिक विविधता इसे अलग बनाती है, लेकिन बुनियादी ढांचे और साक्षरता में कमी इसे पीछे रखती है। यद्यपि भविष्य की संभावनाएं भारत के लिए आशाजनक हैं। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के

- कोटा चिड़ियाघर में प्रस्तावित खेल परिसर के विकास के लिए पेड़ों की कटाई का मामला
- 105 साल पुराने पेड़ों और हॉर्नबिल बुलबुल जैसी लुप्त पक्षी प्रजातियों को घरे है चिड़ियाघर

आदेश दिए। याचिकाकर्ता बाबूलाल जाजू ने याचिका में बताया कि कोटा चिड़ियाघर की स्थापना 1905 में कोटा के महाराजा ने की थी और यह हाड़ोती क्षेत्र का एकमात्र चिड़ियाघर है एवं वन विभाग 1954 से इसका संचालन कर रहा है। जाजू ने आरोप लगाया है कि कोटा विकास प्राधिकरण

ने वन भूमि पर स्थित इस चिड़ियाघर की भूमि को खेल परिसर के विकास के लिए अधिग्रहित करने का प्रस्ताव दिया है और पर्यावरण से मिलाप है। याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि चिड़ियाघर बड़ी संख्या में 100 साल से अधिक पुराने पेड़ों का

हम महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाने का कर रहे काम : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने मातृभूमि की रक्षा के लिए राजमहलों का वैभव त्यागकर जंगलों का कष्टमय जीवन जीया, लेकिन आजीवन अपने स्वाभिमान से कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप महान योद्धा, परम स्वाभिमानी और स्वतंत्रता प्रेमी थे। उन्होंने हमें सदैव सत्य, धर्म और राष्ट्रह्त्त के मार्ग पर चलना सिखाया। शर्मा बुधवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में महाराणा प्रताप फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'शौर्य गाथा के रंग' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि महाराणा प्रताप जैसे वीर और पराक्रमी योद्धा ने राजस्थान की महान धरती पर जन्म लिया। उनका सम्पूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणापुंज है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप की वीरता से देश-दुनिया के ख्यातनाम इतिहासकार भी प्रभावित हुए। कर्नल जेम्स टॉड ने महाराणा प्रताप की वीरता की प्रशंसा करते हुए हल्दीघाटी के युद्ध को धर्मोपल्ली और दिवेर के युद्ध को मेवाड़ का मैरथन बताया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप केवल देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में प्रेरणा के स्रोत हैं। उनकी देशभक्ति,



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में महाराणा प्रताप फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'शौर्य गाथा के रंग' कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

वीरता एवं शौर्य को काल और भौगोलिक सीमा में नहीं बांधा जा सकता है।

शर्मा ने कहा कि हम महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया में पहुंचाने का काम कर रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों चाचांड-ह-हल्दी घाटी-गो गुं दा-

कुंभलगढ़-दिवेर-उदयपुर आदि को सम्मिलित करते हुए महाराणा प्रताप ट्रस्टि सर्किट विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोच और खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना करने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन हमें संप्रभुता और

स्वतंत्रता की रक्षा करना सिखाता है। उनके जीवन मूल्यों को आत्मसात कर भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व में मजबूत शक्ति के रूप में पहचान बनाई है। इस शक्ति की एक झलक पूरी दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा। इस ऑपरेशन के माध्यम से पहलगाम में हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने वालों की मिट्टी में

राज्य सरकार बुजुर्गों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित : अविनाश गहलोत

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक राष्ट्र की नींव हैं, जिस पर वर्तमान खड़ा है और भविष्य निर्मित होगा। हम सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहां बुजुर्गों को न केवल सहारा मिले, बल्कि वे स्वयं को समाज

- ‘वरिष्ठ नागरिक राष्ट्र की नींव हैं, जिस पर वर्तमान खड़ा है और भविष्य निर्मित होगा’
- विभिन्न सेशंस में बुजुर्गों को मनोवैज्ञानिक, योग प्रशिक्षक, आहार विशेषज्ञ, सायबर एवं पुलिस अधिकारियों ने दिए विभिन्न पहलुओं पर परामर्श



सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बुधवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण एवं सशक्तिकरण पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित किया।

गृह, स्वयंसिद्धा आश्रम, राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड तथा अटल वयो अभ्युदय योजना सरीखी विभिन्न योजनाएं संचालित कर हजारों वरिष्ठजनों को लाभान्वित किया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि इन सबसे अलावा प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में वरिष्ठ नागरिकों के लिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, देवस्थान विभाग, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित कई विभागों द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि बुढ़ापा कोई बीमारी नहीं है, यह ताकत और उत्तरजीविशा है, सभी प्रकार के उतार-चढ़ाव और निराशाओं, परीक्षाओं

और बीमारियों पर विजय है। अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप राकां ने कहा कि विभाग द्वारा वरिष्ठजनों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज में हो रहे विभिन्न बदलावों के चलते बुजुर्गों में एकाकीपन और अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। ऐसी दशा से बचाव के लिए बुजुर्ग आर्थोपार्जन के साथ स्वयं को व्यस्त रखें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहें।

कार्यशाला में नामचीन मनोवैज्ञानिक, श्रेष्ठ योग प्रशिक्षक, बेहतरीन आहार विशेषज्ञ, स्वयं सेवी संस्था, पुलिस, सायबर सेल के अधिकारी एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने योग व ध्यान, मानसिक स्वास्थ्य और निवारक

देखभाल सत्र, पोषण व स्वास्थ्य रूप में वृद्धावस्था, सामाजिक सुरक्षा लाभों के बारे में जागरूकता, वरिष्ठ नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार की रोकथाम और प्रतिक्रिया, सामाजिक-जुड़ाव और समय प्रबंधन के लिए रणनीतियां, वित्तीय योजना और डिजिटल साक्षरता और अंतर पीढ़ीगत संर्शंस के जरिए वृद्धजनों को जागरूक किया।

इस अवसर पर निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल, अतिरिक्त निदेशक केसर लाल मीणा, अतिरिक्त निदेशक रीना शर्मा, संयुक्त निदेशक बीपी चंदेल, जोनल हेड आईसीआईसीआई विकास माथुर, यूएनसीपीयू के दिव्यांश गुला सहित कई विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

बालकों को ड्रग्स के कुप्रभावों की जानकारी देने के लिये प्रशिक्षण दिया

जयपुर। रालसा के तत्वावधान में एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय रीटा तेजपाल (जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जयपुर महानगर द्वितीय) की अध्यक्षता में नालसा द्वारा जारी स्क्रीम जागृति एवं डॉन के ऑरिएंटेशन सेशन का आयोजन किया गया। साथ ही आशा- बाल विवाह की रोकथाम की संचालन प्रक्रिया के संबंध में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। मीटिंग में बाल विवाह रोकथाम तथा बाल विवाह हो जाने पर पीडित बालक-बालिका के पुनर्वास संबंधी विषयों पर तथा जमीनी स्तर पर आम व्यक्ति को सरकार द्वारा संचालित प्रत्येक योजना के बारे में जानकारी हो इस संबंध में विभागों से समन्वय कर आम जन को सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार पैरा लीगल कॉर्लेंटियस के माध्यम से करवाने के संबंध में संकल्प लिया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर मेट्रो द्वितीय की सचिव (अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश) पल्लवी शर्मा ने बताया कि सेशन के दौरान दिए गए प्रशिक्षण में ड्रग्स न लेने के संबंध में तथा उसके कुप्रभावों की जानकारी देने के संबंध में विद्यालयों, कारागृह, गली मौहल्लों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करवाना तय



रालसा के तत्वावधान में एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय रीटा तेजपाल (जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जयपुर महानगर द्वितीय) की अध्यक्षता में नालसा द्वारा जारी स्क्रीम जागृति एवं डॉन के ऑरिएंटेशन सेशन का आयोजन किया गया।

किया गया तथा ड्रग एडिक्ट की पहचान कर उसे नशा मुक्ति केन्द्र में भिजवाए जाने की व्यवस्था करने और उसे समुचित रूप से पुनर्वासित करने के संबंध में कदम उठाने हेतु चिकित्सा विभाग को निर्देशित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनिता मुवाल सहायक निदेशक बाल अधिकारिता विभाग, जयपुर, मनमोहन नगर निगम हैरिटेज

जयपुर, मुकुट सिंह उपायुक्त, नगर निगम, ग्रेटर, जयपुर, विजय शर्मा डीसीपीयू जयपुर, जनार्दन कुमार आत्रेय चीफ एलएण्डसीएस जयपुर महानगर द्वितीय, शिवरेवन गोदारा, एसपी शास्त्री नगर, जयपुर, पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम, रामनिवास शर्मा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयपुर, सुनील कुमार सिंघल जिला शिक्षा अधिकारी जयपुर, सुरेश महारानिया अतिरक्त पुलिस

- ‘वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप ने सत्य, धर्म और राष्ट्रिहत के मार्ग पर चलना सिखाया’

मिला दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री ने पहली जनसभा महाराणा प्रताप की धरती राजस्थान में की।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सिंधु समझौता रद्द कर पाकिस्तान को साफ कर दिया की पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। शर्मा ने महाराणा प्रताप की वीरता एवं शौर्य की विरासत को संरक्षित करने और उनके जीवन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के सराहनीय कार्य करने के लिए महाराणा प्रताप फाउंडेशन की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को नमन किया एवं पंडित नरेन्द्र मिश्र द्वारा लिखी गई रचना का जिक्र करते हुए कहा कि ‘राणा प्रताप इस भरत भूमि, मुक्ति मंत्र के गायक हैं...राणा प्रताप आजादी के अपराजित काल विधायक हैं’।

इस अवसर पर विधायक महेन्द्रपाल मीना सहित महावीर सिंह सरवड़ी, राम सिंह चंदलाई, सुदर्शन सिंह, प्रेमसिंह बनवासा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्समीमांकन से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा



मंत्रीमण्डलीय उप समिति के सदस्य जल संसाधन विभाग के मंत्री सुरेश सिंह रावत, राज्यमंत्री वन विभाग संजय शर्मा, राज्यमंत्री सहकारिता विभाग गौतम कुमार तथा समिति के संयोजक राज्यमंत्री नगरीय विकास विभाग झाबर सिंह खरॉं ने बैठक में जोधपुर, भरतपुर एवं जयपुर संभाग की नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्समीमांकन के प्रस्तावों पर समीक्षा एवं विचार विमर्श किया गया।

जयपुर। मंत्रिमण्डल सचिवालय के आदेशों की अनुपालना में बुधवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में नगरीय प्रशासन की और अधिक प्रभावशाली, उत्तरदायी एवं समावेशी बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण द्वितीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्समीमांकन से जुड़े प्रस्तावों पर गहन परीक्षण और विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मंत्रीमण्डलीय उप समिति के सदस्य जल संसाधन विभाग के मंत्री सुरेश सिंह रावत, राज्यमंत्री वन विभाग संजय शर्मा, राज्यमंत्री सहकारिता

विभाग गौतम कुमार तथा समिति के संयोजक राज्यमंत्री नगरीय विकास विभाग झाबर सिंह खरॉं द्वारा इस बैठक में जोधपुर, भरतपुर एवं जयपुर संभाग की नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्समीमांकन के प्रस्तावों पर समीक्षा एवं विचार विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में प्रारम्भ की गई इस पहल का मूल उद्देश्य राज्य के नगरीय निकायों को वर्तमान यथार्थ और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालना है, ताकि आमजन तक प्रशासन की पहुँच सुलभ हो, स्थानीय विकास को गति मिले

और शहरी क्षेत्रों में जीवनस्तर में सार्थक सुधार आए। यह प्रक्रिया न केवल नगरीय प्रशासन को अधिक संगठित और जनोन्मुखी बनाएगी, बल्कि स्थानीय शासन में पारदर्शिता, समावेशिता और उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करेगी। यह निर्णय प्रक्रिया राजस्थान और शहरी सुशासन की दिशा में एक नई ऊँचाई तक पहुँचाने की और सशक्त कदम है। इस बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव, निदेशक एवं विशेष सचिव इन्द्रजीत सिंह सहित अन्य उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समरावता उपद्रव प्रकरण में नरेश मीणा की जमानत पर सुनवाई टली

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने समरावता में हुए उपद्रव के मामले में आरोपी नरेश मीणा की जमानत याचिका पर सुनवाई 30 मई तक टाल दी है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश नरेश मीणा की द्वितीय जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान नरेश मीणा की

ओर से अधिवक्ता महेश शर्मा ने कहा कि एसटी आयोग ने अपनी रिपोर्ट में माना है कि घटना में पुलिस ने ज्यादाती की है। पुलिस ने लोगों को मौके पर जमा होने दिया और बाद में उन पर कार्रवाई कर दी। वहीं आयोग की सिफारिश पर प्रशासन ने पीड़ितों को मुआवजा भी दिया है। प्रकरण में याचिकाकर्ता पर हिंसा का आरोप नहीं है। वहीं जिन अन्य

लोगों पर हिंसा का आरोप है, उनमें से कई जमानत पर रिहा हो चुके हैं। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि मामले में गत 11 फरवरी को आरोप पत्र पेश हो चुका है और अदालत ने 14 फरवरी को उसकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। वहीं अब तक निचली अदालत में ट्रायल आरंभ होकर उस पर चार्ज नहीं लगे हैं। ऐसे में उसे

जमानत दी जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया की एफआईआर और आरोप पत्र में याचिकाकर्ता पर स्पष्ट आरोप हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में और तथ्य पेश करने की गुहार करते हुए सुनवाई टालने की गुहार की। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 30 मई को रखी है।

पूर्व मंत्री महेश जोशी की जमानत पर टली सुनवाई

जयपुर। ईडी मामले की विशेष कोर्ट में बुधवार को जल जीवन मिशन के करीब 900 करोड़ रुपए घोटाले से जुड़े ईडी मामले में न्यायिक हिरासत में चल रहे पूर्व मंत्री महेश जोशी की जमानत अर्जी पर बहस शनिवार तक टल गई। ईडी की ओर से मामले में बहस के लिए समय मांगा गया। जिस पर कोर्ट ने उसे समय दे दिया। इससे पहले मंगलवार

को महेश जोशी की ओर से बहस में कहा कि उसे केस में झूठा फंसाया गया है। एसबी की एफआईआर और मामले में पेश चालान में उसका नाम नहीं है। ईडी ने मार्च, 2024 में उसे समन दिया था। जिसका जवाब ईडी को भेजा गया था। इसके बाद ईडी ने करीब एक साल तक कोई कार्रवाई नहीं की और पिछले दिनों उसे अचानक बुलाकर गिरफ्तार

कर लिया। इसके अलावा ईडी ने अपनी रिपोर्ट में जिन 50 लाख रुपए का हवाला दिया है, वह जुलाई, 2023 में उसके बेटे की कंपनी ने लोन के रूप में लिया था और उसे लौटाया जा चुका है। वहीं मामले में अन्य आरोपियों की पहले ही जमानत हो चुकी है। उससे कोई रिकवरी नहीं हुई है। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए

भिनाय में औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आवंटन की मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पित है। औद्योगिक निवेश से स्थानीय रोजगार बढ़ाने के साथ विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए निरंतर महत्वपूर्ण फैसले किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री शर्मा ने एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए अजमेर की भिनाय तहसील स्थित ग्राम कर्नईकलां में 106 हैक्टेयर से अधिक भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम

1956 की धारा 92 के तहत भूमि गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए आवंटित की गई है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित होंगे और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। एक अन्य निर्णय के तहत मुख्यमंत्री शर्मा ने बारां जिले की अंता तहसील के ग्राम सोरसन में 765 केवी जीएसएस के लिए भूमि आवंटन प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके तहत 39.17 हैक्टेयर भूमि को राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड को कीमतन आवंटित किया गया है। इसकी स्थापना से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था अधिक सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण हो जाएगी।

कार्रवाई से पूर्व सुनवाई का मौका देना है प्राधिकारी की बाध्यकारी ड्यूटी : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति के खिलाफ प्रतिकूल कार्रवाई करने या आदेश पारित करने से पूर्व उसे सुनवाई का मौका देना संबंधित प्राधिकारी की बाध्यकारी ड्यूटी है और वह इससे इनकार नहीं कर सकता। इसके साथ ही अदालत ने विद्यार्थी के नकल से जुड़े इस मामले में एनटीए और जेईई परीक्षा आयोग को कहा है कि वह याचिकाकर्ता का पक्ष सुनकर नए सिरे से आदेश पारित करें। अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि वह एक सप्ताह में संबंधित प्राधिकारी के समक्ष पेश हो और प्राधिकारी उसका पक्ष सुनकर दो सप्ताह में नया आदेश जारी करें। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश माहिर बिश्नोई की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामले में

याचिकाकर्ता को सुनवाई के अधिकार से वंचित किया गया है। वहीं उस पर लगाया गया दंड उसके करियर को बर्बाद कर देगा और आने वाले समय में यह कर्लक के संकेत साध रहेगा। इसके साथ ही उसे रोजगार पाने में भी बाधा उत्पन्न होगी। याचिका में अधिवक्ता दीपक बिश्नोई ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने जेईई मेंस, 2025 पर परीक्षा दी थी, लेकिन परीक्षा में अनुचित साधन का उपयोग करने का बतारक उसका परिणाम रोक लिया गया। वहीं उसे आगामी दो सत्रों की परीक्षा देने के लिए अपात्र घोषित कर दिया। याचिका में कहा गया कि परीक्षा कक्ष के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। जबकि संबंधित प्राधिकारी ही इस साक्ष्य को लेकर स्पष्ट नहीं है। वहीं कार्रवाई से पहले न तो उसे

नोटिस दिया गया और ना ही उसे सुनवाई का मौका मिला। जबकि नियमानुसार किसी भी व्यक्ति के खिलाफ प्रतिकूल फैसला देने से पहले उसे सुना जाना जरूरी है। दूसरी ओर एनटीए और परीक्षा आयोग की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता परीक्षा के दौरान पास बैठे दूसरे अभ्यर्थी की कॉपी से नकल कर रहा था। दोनों आरोपियों की उत्तर पुस्तिका में उत्तर शब्दशः लिखे गए थे। यह सब सीसीटीवी में भी रिकॉर्ड हुआ है। ऐसे में उसे अनुचित साधन का उपयोग करने का आरोप मानते हुए अगले दो सत्रों की परीक्षा के लिए अयोग्य घोषित किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित प्राधिकारी को मामले में याचिकाकर्ता को सुनकर नए सिरे से आदेश देने को कहा है।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम जारी

माध्यमिक एवं माध्यमिक व्यवसायिक परीक्षा का परिणाम 93.60 प्रतिशत रहा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार को सेकण्डरी, सैकण्डरी व्यावसायिक एवं प्रवेशिका परीक्षा-2025 के परिणाम बुधवार को जारी किए। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बीसी के जरिए कोटा से रिजल्ट जारी किया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा बुधवार को कोटा कलेक्ट्रेट से सेकण्डरी, सैकण्डरी व्यावसायिक एवं प्रवेशिका परीक्षा 2025 के परिणाम वचुंअल माध्यम से जारी किए। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, माता-पिता के सहयोग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्कूलों की सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण का प्रतिफल है। इस अवसर पर दिलावर ने असफल विद्यार्थियों को निराश न होकर निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। दिलावर ने बोर्ड प्रशासन, शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी इस सफलता में सहभागी बताते हुए उनके योगदान की सराहना की।

बोर्ड प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने बोर्ड कार्यालय से परिणाम जारी करते



बोर्ड प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने बोर्ड कार्यालय से परिणाम जारी किए।

हुए बताया कि विद्यार्थियों ने इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत छात्रों की तुलना में अधिक रहा है। ये राज्य के शैक्षिक परिदृश्य के लिए सुखद संकेत है।

प्रशासक शर्मा ने बताया कि माध्यमिक व माध्यमिक व्यावसायिक परीक्षा में 10 लाख 94 हजार 186 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इसमें से 10

लाख 71 हजार 460 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए। माध्यमिक एवं माध्यमिक व्यवसायिक परीक्षा का परिणाम 93.60 प्रतिशत रहा। इसमें से छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 93.16 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 94.08 रहा। माध्यमिक एवं माध्यमिक व्यवसायिक परीक्षा में 5 लाख 75 हजार 554 छात्रों में से 2

लाख 69 हजार 141 छात्र और 5 लाख 18 हजार 632 छात्राओं में से 2 लाख 77 हजार 229 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं।

उन्होंने बताया कि प्रवेशिका परीक्षा 2025 में कुल 7316 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। इसमें से 7099 परीक्षार्थी परीक्षा में प्रविष्ट हुए। प्रवेशिका परीक्षा 2025 का परीक्षा परिणाम 83.67

■ शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कोटा से सेकण्डरी, सेकण्डरी व्यावसायिक एवं प्रवेशिका परीक्षा-2025 के परिणाम जारी किये

प्रतिशत रहा।

इसमें छात्रों का उत्तीर्णता प्रतिशत 82.01 तथा छात्राओं का उत्तीर्णता प्रतिशत 85.03 रहा। प्रवेशिका परीक्षा में 3310 छात्रों में से 643 छात्र और 4006 छात्राओं में से 974 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं। बोर्ड सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के परिश्रम, शिक्षकों की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण तथा बोर्ड के कार्मिकों की सतत मेहनत का परिणाम है। बोर्ड ने परिणामों की समयबद्ध व पारदर्शी घोषणा कर एक बार पुनः देश के अग्रणी शिक्षा बोर्डों में अपनी स्थिति सुदृढ़ की है। इस अवसर पर विशेषाधिकारी नीता यादव, वित्तीय सलाहकार रंजित बिस्सा सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

2 5 लाख की अवैध शराब सहित दो आरोपी गिरफ्तार



जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने अवैध शराब सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस एवं जिला स्पेशल टीम ने बुधवार को सरहद आमली में राजस्थान व पंजाब निर्मित अवैध अंग्रेजी शराब बीयर के 47 कार्टन बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त वाहन क्रेटा कार को जब्त किया। बरामद अवैध शराब की अनुमानित बाजार कीमत 25 लाख रुपये आंकी गई है।

जिले में शराब तस्करी करने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत जेठाराम सर्जिन. मय जाळा पुलिस थाना सांचौर वजिला विशेष टीम जालोर द्वारा मुखबीर से प्राप्त सूचना के अनुसार बाडमेर से चितलवाना होते हुए गुजरात की तरफ जाने वाली सड़क पर सरहद आमली में संयुक्त रूप से नाकाबंदी शुरू की। नाकाबंदी में वाहन क्रेटा कार को रूकवाकर तलाशी ली गई तो वाहन में

राजस्थान व पंजाब निर्मित अवैध शराब के 47 कार्टन भरे हुए पाये जाने पर शराब व शराब परिवहन में प्रयुक्तकार व वाहन में मिली नम्बर प्ले को जब्त कर वाहन चालक खेमाराम पुत्र अम्बाराम जाट निवासी मौखाब कलां पुलिस थाना शिव जिला बाडमेर व रामजीवनराम पुत्र खैराजराम विश्‍नोई निवासी वीरावा पुलिस थाना चितलवाना जिला जालोर को गिरफ्तार किया।

भ्रूण लिंग परीक्षण पर कसा शिकंजा , दलाल गिरफ्तार

कथित रूप से गर्भवती महिलाओं को भ्रूण लिंग परीक्षण के लिए अल्ट्रासाउंड सेंटर ले जाया करता था दलाल

जयपुर/कुचामन। राजस्थान में भ्रूण लिंग चयन के खिलाफ चल रही सख्त मुहिम के तहत पीसीपीएनडीटी टीम ने नागौर जिले के कुचामन में बुधवार को एक और बड़ी सफलता हासिल की। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की एमडी डॉ. भारती दीक्षित के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में डिकॉय ऑपरेशन के जरिए एक दलाल को रंगे हाथ पकड़ा गया, जबकि डॉक्टर की भूमिका को लेकर संदेह बरकरार है। टीम ने आरोपी दलाल सुखराम जाट को गिरफ्तार कर लिया है, जो कथित रूप से गर्भवती महिलाओं को भ्रूण लिंग परीक्षण के लिए अल्ट्रासाउंड सेंटर ले जाया करता था। कुचामन स्थित मंगलम अल्ट्रासाउंड सेंटर में की गई इस कार्रवाई में मशीन को सीज कर दिया गया है और डॉक्टर बीआर बांता की भूमिका की जांच पीबीआई थाना पुलिस कर रही है।

सूचना के आधार पर की गई रैकी के बाद टीम ने एक डिकॉय गर्भवती महिला को दलाल से संपर्क करवाया। 70 हजार रुपए लेने के बाद दलाल महिला को अल्ट्रासाउंड सेंटर ले गया,



गिरफ्तार आरोपी

जहां परीक्षण के बाद उसने गर्भ में लड़का होने की पुष्टि करते हुए “छाओ, पियो, मौज करो” जैसे शब्द कहे। इसी दौरान टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। अल्ट्रासाउंड सेंटर पर एफ फॉर्म नहीं भरना, पंजीकरण रजिस्टर में एंट्री नहीं होना जैसी गंभीर लापरवाहियों ने डॉक्टर की भूमिका को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया है। पुलिस फिलहाल जांच कर रही है और डॉक्टर से पूछताछ जारी है।

एनएचएम एमडी डॉ. भारती

■ डॉक्टर की भूमिका को लेकर संदेह बरकरार, अल्ट्रासाउंड मशीन सीज

■ पीसीपीएनडीटी टीम ने एक पखवाड़े में तीसरी बड़ी कार्रवाई की

दीक्षित ने कहा, यह सिर्फ एक कार्रवाई नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के अस्तित्व की लड़ाई है। ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बताया कि यह एक पखवाड़े में तीसरा सफल ऑपरेशन है। इससे पहले टीम ने 12 मई को गुजरात के इंडर और 15 मई को पंजाब के अंबोहर में भी डिकॉय ऑपरेशन कर दलालों और संदिग्ध डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की थी। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से भ्रूण लिंग परीक्षण गिरोहों में हड़कंप मचा हुआ है।

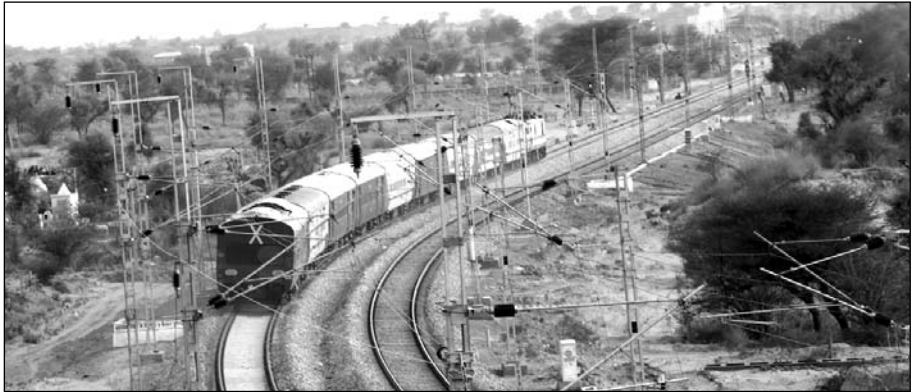
छह जून तक आवेदन विथड्रॉ करने का अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक मत्स्य विकास अधिकारी (मत्स्य विभाग) भर्ती-2024 के अन्तर्गत वांछित योग्यता न होने पर भी ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आवेदन विथड्रॉ करने का अवसर दिया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की

वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि 2 सितंबर 2024 को उक्त 8 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी कर 11 सितंबर से 10 अक्टूबर 2024 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये थे। आयोग द्वारा की गई रेगुड/सेम्पल जांच में यह पाया गया कि कतिपय आवेदकों के पास अनिवार्य

योग्यता नहीं होने के उपरांत भी उनके द्वारा आवेदन किया गया है। आयोग द्वारा उक्त शैक्षणिक व वांछित योग्यता न होने पर भी आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को आगाह किया है कि वे अपना ऑनलाइन आवेदन पत्र 6 जून 2025 तक विथड्रॉ कर लेवें अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।

चूरू-मोलीसर ट्रैक दोहरीकरण का स्पीड ट्रायल सफल



चूरू से मोलीसर तक सीआरएस स्पेशल से 120 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से ट्रायल किया।

चूरू, (निर्सं)। बीकानेर रेल मंडल परीक्षण के दौरान लगभग 27 किलोमीटर लंबे चूरू-मोलीसर रेलखंड तक रेल संरक्षा आयुक्त बुधवार को स्वचालित ट्रांली से पहुंचे और चूरू से मोलीसर तक स्पीड ट्रायल सीआरएस स्पेशल से 120 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से ट्रायल किया। ट्रायल सफल होने के बाद सीआरएस श्रीनिवास ने 90 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से ट्रेन चलाने की अनुमति प्रदान की। निरीक्षण के दौरान सीआरएस ई श्रीनिवास ने सुरक्षा मानकों, तकनीकी पहलुओं व ट्रैक की गुणवत्ता का बारीकी से अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि

पूर्व में रतनगढ़ से मोलीसर तक डबल लाइन थी एवं मोलीसर से चूरू तक सिंगल लाइन थी, अब मोलीसर से चूरू तक डबल लाइन पर गाड़ी चलाने की अनुमति मिलने से रेलवे कम समय में अधिक गाड़ियां चला सकेगा और रेलवे अधिक माल का परिवहन कर सकेगा, जिससे रेलवे की आय में वृद्धि होगी। उक्त स्पीड ट्रायल दोहरीकरण परियोजना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे इस मार्ग पर ट्रेनों की गति, संख्या व संचालन क्षमता में वृद्धि होगी। आने वाले समय में यात्रियों को तेज और सुरक्षित यात्रा सुविधा प्राप्त होगी। स्पीड ट्रायल के दौरान बीकानेर

मंडल रेल प्रबंधक डॉ. आशीष कुमार, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी रणसिंह गोदारा, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक जयप्रकाश, सीनियर डीएस्टीई ललित कुमार, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वयक) अमित जैन, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (दक्षिण) अमन अग्रवाल, सीनियर डीईई टीआरडी जितेंद्र कटारिया, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) आदित्य लेचा, डिप्टी चीफ इंजीनियर विजय सिंह, चीफ इंजीनियर कंस्ट्रक्शन एस.एल मीना, मूवमेंट इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह, धीरज थानवी सहित रेलवे के अनेक अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जोसा काउंसलिंग शेड्यूल जारी

कोटा, (निर्सं)। आईआईटी कानपुर की ओर से आयोजित की गई देश की सबसे प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड का परिणाम 2 जून को जारी किया जाएगा। परिणाम जारी होने के अगले दिन 3 जून से आईआईटी, एनआईटी, टिपलआईटी व जीएफटीआई में प्रवेश के लिए जोसा काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ होगी। इस वर्ष जोसा काउंसलिंग द्वारा 23 आईआईटी, 32

एनआईटी, 26 टिपलआईटी एवं 47 जीएफटीआई में प्रवेश दिया जाएगा। जोसा काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। एलन कैरियर इंस्टीट्यूट के कैरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि इस वर्ष आईआईटी, एनआईटी व टिपलआईटी में प्रवेश के लिए होने वाली जोसा काउंसलिंग प्रक्रिया 3 जून से 28 जुलाई के मध्य छह राइड्स में होगी।

महिला प्रो. की अश्लील फोटो वायरल करने वाले प्रो. रामकेश मीणा को निलंबित करने की मांग

गंगापुर सिटी, (निर्सं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गंगापुर सिटी ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर एक महिला प्रोफेसर की अश्लील फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले राजकीय महाविद्यालय गंगापुर सिटी में संस्कृत के प्रोफेसर रामकेश मीणा उर्फ आदिवासी को तुरंत निलंबित कर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा गंगापुर सिटी से हटाने की पुरजोर मांग की है।

ज्ञापन की प्रतिलिपि उचित कार्यवाही के लिए उच्च शिक्षा मंत्री, गुज राज्य मंत्री, प्रमुख सचिव, शासन सचिव उच्च शिक्षा, आयुक्त कॉलेज शिक्षा पुलिस

■ अ.भा.वि. परिषद गंगापुर सिटी ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर, जिला कलेक्टर सवाई माधोपुर, पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर, अध्यक्ष राष्ट्रीय महिला आयोग, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग, प्राचार्य राजकीय पीजी महाविद्यालय गंगापुर सिटी को भी प्रेषित की है।

एबीवीपी जिला संयोजक मनोज सेनी, छात्र नेता सीताराम गुर्जर एवं अन्य द्वारा दिए ज्ञापन में लिखा है कि प्रोफेसर

रामकेश मीणा ने तमाम हदें पार कर दी हैं। नैतिकता को तार-तार कर दिया है। प्रोफेसर जैसे महान प्रतिष्ठा के पद को कलंकित किया है। रामकेश मीणा राजकीय महाविद्यालय गंगपुर सिटी में संस्कृत विषय के प्रोफेसर हैं। वर्तमान में डेपुटेशन पर राजकीय महाविद्यालय वजीरपुर में नोडल अधिकारी हैं। रामकेश मीणा अंग्रेजी में प्रो. रामकेश आदिवासी के नाम से फेसबुक चलाते हैं। रामकेश मीणा ने एक महिला प्रोफेसर की फोटो पर जगह-जगह गलत स्टीकर लगाए, अवांछित शब्द लिखकर, एडिट कर अश्लील बनाया, फिर इसे अपनी फेसबुक पर वायरल किया है जिसे बहुत

लोगों ने देखा है। रामकेश मीणा की यह अश्लील हरकत बहुत ही शर्मनाक है। हम सब सभी को लज्जित करने वाली है। गंगापुर सिटी इलाके के छात्र युवा नागरिक भी बुरी तरह आहत है, शर्मिंदा है। बहुत आक्रोश है। रामकेश मीणा के खिलाफ पूर्व में कई शिकायतें हैं। इन्हें राजनेताओं और अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के अधिकारियों को भी इन्हें संरक्षण मिला हुआ है। इनके खिलाफ कार्यवाही नहीं होती, हौसले बुलंद है। अश्लील आचरण करने वाले रामकेश मीणा के खिलाफ तुरंत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

से गैंग चलाता है। वह पंजाब और राजस्थान में कई संगीन मामलों में बांछित है। इससे पहले 25 मार्च को भी राजू कथोडीया के घर पर अज्ञात लोगों ने कारतूस और धमकी भरा पत्र फेंका था। उस समय भी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। अब 2 महीने बाद दूसरी बार फायरिंग की घटना से मामला गंभीर हो गया है।

पुलिस अधिकारियों का मानना है कि दोनों घटनाएं आपस में जुड़ी हो सकती हैं। यह मामला रंगदारी वसूली के

जुड़ा लग रहा है। फायरिंग करने वालों की पहचान नहीं हो पाई है। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने जल्द खुलासा होने की संभावना जताई है। लगातार मिल रही धमकियों और गोलीकांड के बाद व्यापारियों और आम लोगों में डर का माहौल है। खासकर अग्रसेन चौक और जवाहर नगर क्षेत्र के लोग डरे हुए हैं। व्यापारिक संगठनों ने घटना की निंदा की है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

डीडवाना, (निर्सं)। राजस्थान पुलिस

सुछाानय के निर्देशाुसुर लगातार ऑपरेशन एंटी वायरस अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत डीडवाना जिले के समस्त थानों और सायबर सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुम और चोरी हुए 89 मोबाइल बरामद किये हैं। इन मोबाइलों

■ बरामद मोबाइलों की कीमत लगभग 13.35 लाख रुपए है

■ डीडवाना में ऑपरेशन एंटी वायरस के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की

की बाजार कीमत लगभग 13 लाख 35 हजार रुपए बताई जा रही है। इन मोबाइलों को राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों से ट्रेस कर बरामद किया गया है, जिन्हें बुधवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने उनके मालिकों के सुपुर्द कर दिया।

एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि एंटी वायरस अभियान के तहत चल रहे इस अभियान में पोर्टल पर दर्ज चोरी और गुम हुए मोबाइल को



एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने बरामद मोबाइल के बारे में जानकारी दी।

ट्रेस करने के लिए पुलिस की टीमों ने विशेष अनुसंधान किया और मोबाइल फोन को ट्रेस करने की कार्रवाई की, जिसके परिणाम स्वरूप पूर्व में भी 240 मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों के सुपुर्द किया गया था। इसी क्रम में गुम व चोरी हुए 89 मोबाइलों की भी बरामद कर आज उनके मालिकों को सौंप दिया गया। इस दौरान लंबे समय बाद अपने मोबाइल वापस पाकर लोग काफी खुश

और प्रसन्न नजर आए। एसपी ने बताया कि केंद्रीय इन्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर्ड पोर्टल दूरसंचार विभाग का एक नागरिक केंद्रित पोर्टल है। यह पोर्टल मोबाइल उपकरणों को उनके अंतरराष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचान नंबरों का इस्तेमाल करके प्रबंधन और ट्रैक करने के लिए बनाया गया है। अगर किसी का मोबाइल फोन गुम हो जाता है तो वह

आईएमईआई नंबरों को इस पोर्टल पर इंद्राज कर बंद करवा सकते हैं। साथ ही संबंधित थाने में शिकायत दर्ज करवाकर पोर्टल पर जाकर मोबाइल फोन का नंबर भी ब्लॉक करवा सकते हैं। गुम मोबाइल बरामद होने पर उसके मालिक के द्वारा पोर्टल पर आईएमईआई नंबर को अनब्लॉक करवाने हेतु रिक्वेस्ट भेजी जाकर नंबर को पुन शुरू करवाया जा सकता है।



